अध्यक्ष की कलम से

प्रिय साथियों,

मैंने अपने पिछले संदेश में अपना पूर्ण विश्वास आप लोगों में व्यक्त करते हुए आह्वान किया था कि हम अपने सम्पूर्ण प्रयासों से बैंक को सफलताओं के शिखर पर पहुँचायेंगे। हमें अपनी वर्तमान स्थिति का आंकलन करते हुए अपनी कार्य योजनाओं को मूल स्वरूप देना है। हम वित्तीय वर्ष के अंतिम पायदान पर खड़े हैं। अब हमारे पास 96 शाखाओं का विस्तृत क्षेत्र है, जिसमें 8 विस्तार पटल काउन्टर हैं। इनमें से 75 शाखाएं बैंक मित्र से जुड़ी हैं तथा कम्प्यूटरीकृत हैं। हमारे बैंक के व्यवसाय के मार्च 06 लक्ष्य निम्न प्रकार हैं :

जमा	490.00 करोड़
ऋण	235.00 करोड़
एनपीए	3.75 करोड़
लाभ	11.00 करोड़

हमारे बैंक की दिनांक 31.12.2005 को व्यवसाय की स्थिति निम्न प्रकार हैं :

जमा	384.00 करोड़
ऋण	213.00 करोड़
एनपीए	5.75 करोड़
वसूली जून 05	92.02 प्रतिशत
लाभ	5.78 करोड़

मुझे पूर्ण विश्वास है कि विभिन्न कठिन परिस्थितियों में भी आप उक्त चुनौतियों को स्वीकार करते हुए बैंक व्यवसाय के समस्त लक्ष्यों को पूर्ण करेंगे।

जमा संग्रहण :

9 माह की अवधि बीत जाने के पश्चात हम अभी भी 31.03.2005 के कारोबारिक स्तर से नीचे हैं। हमारा विकास एक समान रूप से बढ़ना चाहिए ताकि हम अपने सभी लक्ष्यों को प्राप्त करें और अपने बैंक की स्थिति सुदृढ़ बनायें। कम लागत वाली जमाओं का अंश 50 प्रतिशत के स्तर से भी अधिक है जो हमारा एक मजबूत क्षेत्र है। प्राय: यह देखा गया है कि जागरूकता, विपणन और प्रयत्न की कमी के फलस्वरूप हम अपने जमा उत्पादों को बढ़ावा नहीं दे रहे हैं। चूंकि हमारा क्षेत्र अधिकतर ग्रामीण है, अत: हमें अपने ग्राहकों को आधार बनाते हुए जमा राशियों के आधार में पर्याप्त वृद्धि करनी होगी। किसी भी बैंक की छवि में वृद्धि करने के लिए ग्राहक सेवा में वृद्धि करना अत्यन्त आवश्यक होता है क्योंकि ग्राहक सेवा ही बैंक की रीढ़ है। ग्राहक सेवा को नया आयाम प्रदान करना हमारी उच्चतम प्राथमिकताओं में से एक है।

अनर्जक आस्तियाँ :

अनर्जक आस्तियों का रखरखाव किसी भी बैंकिंग संस्था के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्र है क्योंकि अर्नजक आस्तियों से बैंक को कोई आय प्राप्त नहीं होती है जिससे हमारी लाभप्रदत्ता प्रभावित होती है। अनर्जक आस्तियों की वसूली के लिए हमें सतत् प्रयास करने होंगे एवं अच्छी गुणवत्ता वाले समझौता प्रस्तावों की सम्भावनाओं को खोजना होगा। जो एनपीए के लक्ष्य निर्धारित किए गये हैं उन्हें हर परिस्थिति में प्राप्त करना होगा। साथ ही हमें यह भी प्रयास करने होंगे कि कोई नया खाता एनपीए श्रेणी के अन्तर्गत न आने पाए।

अंत में, आप सभी को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए आशा करता हूं कि उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के समस्त लक्ष्यों को प्राप्त करते हुए प्रति व्यक्ति उत्पादकता में वृद्धि एवं बैंक द्वारा उपलब्ध कराए गए विभिन्न वित्तीय उत्पादों को प्रभावी ढंग से विपणन करने में हम सब पूर्ण रूप से सक्षम होंगे।

-ए०के० लूम्बा